बाव करने के उपाय किये जाते हैं जिसके फल-स्वरूप खाद्यान्नों की मामूली क्षति होती है। यह सुनिश्चित करने के लिये भी सावधानी बरती जा रही है जो खाद्यान्न ऊंचे प्लिंथ पर रखे जाते हैं उन्हें पर्याप्त निवार की व्यवस्था करते हुये वर्षा से सुरक्षित पोलिथीन चद्दर से ढक कर रखा जाये।

मध्य प्रदेश में आयाकट योजना पर व्यय

1990. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) मध्य प्रदेश के चम्बल क्षेत्र मे आयाकट योजना पर अब तक कितना व्यय हुआ है और इसमे किस-किस प्रकार से कार्य किस-किस स्थान पर पूरे किये गये हैं और इन कार्यों पर अब तक कितनी धनराशि व्यय हुई है और

(ख) आयाकट योजना के अन्तर्गत और कितनी धनराशि निश्चित करने का विचार है ताकि मंजूर की गई धनराशि इस क्षेत्र की वर्तमान आवश्यकताओं के लिये कम न हो ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) चम्बल क्षेत्र मे आयाकट विकास कार्य पर अब तक 406 31 लाख रुपये खर्च हुये हैं। क्रियान्वित किये गये निर्माण-कार्यों का स्वरूप, स्थान जहा ये क्रियान्वित किये गये हैं और जून, 1976 तक इन निर्माण-कार्यों पर किया गया खर्च नीचे दिया गया है :

निर्माण कार्यों का स्वरूप	खर्च (लाख रुपये)	स्थान जहा ये क्रियान्वित किये गये हैं।
1	2	3
1. सिंचाई निर्माण कार्यों का आधुनिकरण, जिसमें मुख्य नहर मे भूरक्षण की रोकथाम, नहर की क्षमता सम्बन्धी निर्माण कार्य, नहर नियंत्रण के ढांचे और जलीय खरपतवार का नियंत्रण भी शामिल है।	62 87	मुरैना और भिंड जिले का शिवपुर साबलगढ और मुरैना तहसीलें।
2. मुख्य निकास नाली	23 94	मुरैना और भिंड जिले।
3. आन फार्म विकास सम्बन्धी निर्माण-कार्य, जिसमे खेत की सिंचाई नालियां, खेत की निकास नालिया और भूमि समतलन तथा भूमि को आकार देना भी शामिल है।	20 78	मुरैना तहसील क हिंगाना, हिंगा, सिकरौना, साबलगढ़, तहसील के तोरिका, डाकेगढ, करोली, शेखपुर, शिवपुर तहसील के लादक पारा नारायणपुर, गोहाद तहसील के चिलोरा, बगदई और गोहाद, शिवपुर तहसील के आमीरा, साबलगढ तहसील के लालीपुरा, सोईकलां, सामरसीरे तैमई तथा सहपुर और भिंड जिले के शाहपुरा और बडापुर गांव।

4 मंडियां	32		मुरैना, जोरा, कैरारस, सावलगढ़, शिवपुर कला, बडौदा और अम्बा ।
5. सड़कें	75	88	सावलगढ़—आगरा बम्बई रोड का चौराहा प्रेम्सर—सांसारदा रोड प्रेम्सर सिरानी खेडा रोड से सारदा नादिनी रोड बृजगढी— कुकरोली रोड कुकरोली—कुण्णगढ रोड नेपरी—कुण्णगढ रोड] नेपरी—बतरैता रोड
6 ऊबड खाबड भूक्षरण का नियंत्रण	3	72	मुरैना जिला
7 विविध निर्माण कार्य	13	20	मुरैना और भिंड जिले ।

(ख) चम्बल आयाकट का कई चरणों मे विकास करने का कार्यक्रम बनाया गया है । प्रथम चरण का विकास कार्य चल रहा है और इसके दिसम्बर, 1978 मे समाप्त होने का कार्यक्रम है । विकास के पहले चरण के लिए हर वर्ष के लिए अपेक्षित पूरी धनराशि की व्यवस्था की जा रही है ।

Area under high yielding varieties of seeds

1981 SHRI SOMNATH CHATTERJEE Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state statewise percentage of cultivated land under high-yielding varieties of seeds, for the latest available year?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI PRABHUDAS PATEL). A statement showing the percentage of area under high yielding varieties of seeds to total area in respect of rice, wheat, jowar, bajra and maize, for which a High Yielding Varieties Programme is being implemented, is laid on the Table of the House . *[Placed in Library See* No LT-11303/76].

मध्य प्रदेश में खुदाई

1982 श्री गंगा चरण दीक्षित क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या पुरातात्विक दृष्टि से मध्य प्रदेश मे खुदाई की गई है यदि हां तो किन स्थानों पर और इसके क्या परिणाम निकले , और

(ख) क्या इन खुदाई कार्यों के आधार पर प्रमाण मिले हैं कि लंका, मध्य प्रदेश मे थी, यदि हां, तो तत्सम्बन्धी तथ्य क्या है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग मे उपमंत्री (श्री अरविंद नेताम) (क) विवरण सभा पटल पर रखा गया । [देखिए मक्या एल० टी० 11304/76] ।

(ख) जी नही, विवरण मे दी गई खुदाइयो मे से कोई खुदाई रामायण के कि स स्थल से सम्बन्धित नही है ।